सामान्य अध्ययन (टेस्ट - XXII)

GENERAL STUDIES (Test - XXII)

मॉड्यूल - XXII / Module - XXII

DTVF/18(JS)–M–**GS22**

निर्धारित समयः तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंकः 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Anoop Meena

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? | हाँ | ✓ | नहीं | |

मोबाइल नं. (Mobile No.): ____________

ई-मेल पता (E-mail address): ____________

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date): 22 / Aug. 27, 18

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2018] [Roll.No. UPSC (Pre) Exam-2018]:

0	8	3	4	4	6	9

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिंदी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): Anoop

नोटः प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

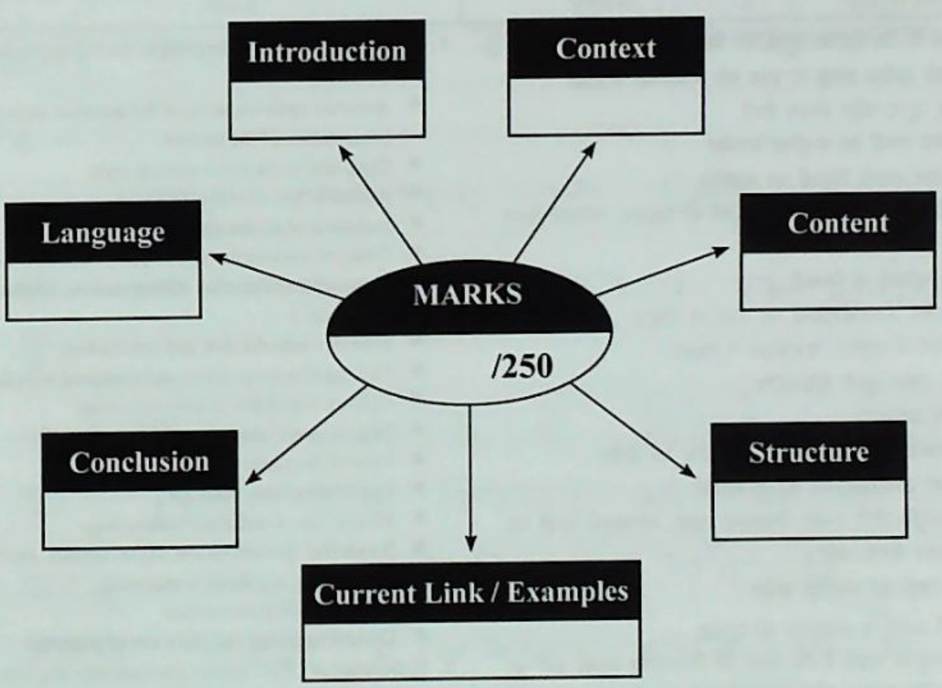

मूल्यांकनकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Evaluator (Code & Signatures)

पुनरीक्षणकर्त्ता (कोड तथा हस्ताक्षर)
Reviewer (Code & Signatures)

मूल्यांकन की पद्धति

प्रिय अभ्यर्थियों,

आपकी उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक-समूह के सदस्य निम्नलिखित निर्देशों का ध्यान रखते हैं। आप भी इन्हें ध्यान से पढ़ें ताकि आप अपने प्राप्तांकों का तार्किक कारण समझ सकें।

परीक्षकों के लिये निर्देश

1. मूल्यांकन में अंकों का वही स्तर रखा जाना चाहिये जैसा संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) के परीक्षकों द्वारा रखा जाता है।
2. सामान्य अध्ययन का जो उत्तर हर दृष्टिकोण से सटीक व उत्कृष्ट है; उसे अधिकतम 60% अंक दिये जाने चाहियें क्योंकि आयोग द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन में भी इससे अधिक अंक मिलना लगभग असंभव है। वैकल्पिक विषयों के उत्कृष्ट उत्तरों तथा श्रेष्ठतम निबंधों में अधिकतम 70% तक अंक दिये जा सकते हैं।
3. कृपया अंकों का वितरण निम्नलिखित तालिका के अनुसार करें-

Method of Evaluation

Dear Candidates,

While assessing your answer-scripts, the evaluators are required to follow the given instructions. You should also read them carefully to understand the logic behind the marks obtained by you in the tests.

Instructions for the Evaluators

1. The level of marks while evaluating the answers should be kept as per UPSC (Union Public Service Commission) standards as far as possible.
2. The answers of General Studies which are accurate and excellent from every perspective should be awarded a maximum of 60% marks as it is almost impossible to get more than that in actual UPSC examination. Excellent answers in optional subjects and the best written essays can be awarded a maximum of 70% marks.
3. Please assign the marks according to the following table-

उत्तर का स्तर (Standard of Answer)	सामान्य अध्ययन में अंक-स्तर (Marks Standard G.S.)	वैकल्पिक विषय तथा निबंध में अंक-स्तर (Marks Standard - Optional Subject and Essay)
उत्कृष्ट (Excellent)	51-60%	61-70%
बहुत अच्छा (Very Good)	41-50%	51-60%
अच्छा (Good)	31-40%	41-50%
औसत (Average)	21-30%	31-40%
कमज़ोर (Poor)	0-20%	0-30%

4. कृपया उत्तर में निम्नलिखित गुणों को विशेष प्रोत्साहन दें-
   - प्रश्न की सटीक समझ व उत्तर की व्यवस्थित रूपरेखा
   - संक्षिप्त, टू-द-पॉइंट लेखन शैली
   - प्रामाणिक तथ्यों का समुचित उपयोग
   - अधिकतम जरूरी बिंदुओं का समावेश
   - सरकारी दस्तावेज़ों (मंत्रालयों/आयोगों की रिपोर्ट्स, पॉलिसी पेपर्स आदि) के संदर्भों की चर्चा
   - प्रभावी भूमिका व निष्कर्ष
   - समकालीन घटनाओं/प्रसंगों को उत्तर से जोड़ना
   - दृष्टिकोण में संतुलन, समावेशन व गहराई
   - अच्छी, साफ-सुथरी हैंडराइटिंग
   - भाषा में प्रवाह
   - आवश्यकतानुसार डायग्राम्स, नक्शों आदि का प्रयोग
   - तकनीकी शब्दावली का सटीक उपयोग
   - सुंदर प्रस्तुति शैली (छोटे पैराग्राफ्स रखना, महत्त्वपूर्ण शब्दों को अंडरलाइन करना आदि)
   - विराम चिह्नों का समुचित प्रयोग
   - भाषा में वर्तनी व व्याकरण की शुद्धता
5. टॉपर्स के अनुभव बताते हैं कि उत्तर की विषयवस्तु अच्छी होने पर आयोग के परीक्षक शब्द-सीमा के थोड़े बहुत उल्लंघन पर अंक नहीं काटते हैं। कृपया आप भी इसी दृष्टिकोण के अनुसार अंक-निर्धारण करें।

4. Please devote special attention to the following qualities in an answer–
   - Accurate understanding of the question and systematic presentation of the answer
   - Crisp and to the point writing style
   - Adequate use of authentic facts
   - Inclusion of all the important points
   - Citing of relevant facts and figures from relevant official documents (Ministries /Commissions Reports, Policy Papers etc.)
   - Effective introduction and conclusion
   - Linking of current events and situations with the answer
   - Balance and depth in answer-writing
   - Legible and clean handwriting
   - Flow of language
   - Use of diagrams, maps etc
   - Precise use of technical terminology
   - Beautiful presentation style (small paragraphs, underlining important words etc.)
   - Proper use of punctuations
   - Correct spellings and right use of grammar
5. Experience of UPSC toppers also indicates that if the content of the answer is good, the UPSC examiners do not cut the marks on slight violations of the word-limit. Please award marks strictly according to the above-mentioned instructions.

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1. हाल के एक या दो वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार व तेज़ी दिखाई दी है, किंतु इन्हीं वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में अस्थायी रूप से ही सही लेकिन गिरावट दिखाई पड़ी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था से भारतीय अर्थव्यवस्था के इस अपयुग्मन (Decoupling) के पीछे विद्यमान कारणों की पहचान करते हुए भविष्य के उन सुधारों की भी चर्चा करें जो भारतीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकते हैं। (200 शब्द) 12.5

In recent years, while the global economy has shown recovery and growth, the Indian economy, though momentarily, has shown decline. Identify the factors responsible for this inconsistency and discuss the prospective reforms that can strengthen the Indian economy. (200 words) 12.5

अंतर्राष्ट्रीय ~~विश्व~~ मुद्रा कोष ने विश्व अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2019 के लिए 3.2% घोषित की है जबकि भारत की वृद्धि दर 7.2% घोषित की है।

भारत अर्थव्यवस्था के इस अपयुग्मन (विश्व अर्थव्यवस्था के विपरीत स्थिति प्रकट करना) के निम्नलिखित कारण है -

→ भारत में सकल पूँजी निर्माण की दर 35% से घटकर 27% रह गयी है।

→ भारत में घरेलू व विदेशी निवेश में क्रमिक रूप गिरावट आ रही है। घरेलू स्तर पर गिरावट आने का प्रमुख कारण ह्रासमान बचत दर है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ भारतीय बैंकिंग प्रणाली में साख सृजन क्षमता में गिरावट आयी है वस्तुतः खराब बैंकिंग अभिशासन व गैर-निष्पादनकारी परिसंपत्तियों के बढ़ने के कारण ऐसा हुआ है।

→ अर्थव्यवस्था में संरचनागत सुधार करने के लिए जी० एस० टी० एवं विमुद्रीकरण जैसे वित्तीय कदमों का प्रभाव अभी बना हुआ है।

→ अन्य कारणों में कृषि का निराशाजनक प्रदर्शन, व्यापारिक संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्तियाँ, क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें हैं।

इस अपयुग्मन की समस्या का समाधान करने हेतु सुधार —

• सर्वप्रथम अर्थव्यवस्था की संरचनागत प्रणाली में सुधार करने होंगे। MSMEs क्षेत्र को तकनीकी परिवर्तन के अनुकूल बनाना, वैश्विक व्यापार शृंखला से जोड़ना चाहिए। कृषि की मॉनसून पर निर्भरता को कम करना एवं उत्पादकता बढ़ाना, सिंचाई क्षमता...

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बैंकों में बढ़ते NPA को नियंत्रित करना चाहिए ताकि अर्थव्यवस्था में निजी निवेश को बढ़ावा मिले।

कौशल विकास कार्यक्रमों के उचित क्रियान्वयन के द्वारा श्रम बल औपचारिकरण करना।

व्यापार सुगमता को बढ़ाने हेतु बेहतर अनुपालन, अवसंरचनात्मक विकास, प्रक्रियात्मक देरी व अनुमति के समय को कम करना चाहिए।

उपर्युक्त व्यक्तिगत व समष्टिगत सुधारों के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था की वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ साम्यता स्थापित की जा सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

2. भारत में संभार क्षेत्र (लॉजिस्टिक सेक्टर) एक संभावनाशील क्षेत्र होते हुए भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस क्षेत्र की संभावनाओं का दोहन करने के लिये सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा करते हुए भविष्य के लिये प्रभावी उपायों का सुझाव भी प्रस्तुत करें। (200 शब्द) 12.5

Despite its potential the logistics sector in India is struggling. Discuss the steps taken by the government to capitalise on the potentials of this sector and suggest additional effective remedies. (200 words) 12.5

संभार क्षेत्र से तात्पर्य है उत्पादन बिंदु से लेकर विक्रय बिंदु तक की श्रृंखला जिसमें प्रसंस्करण, परिवहन, मूल्यसंवर्द्धन आदि शामिल होते है

विश्व बैंक के लॉजिस्टिक परफार्मेंस इंडेक्स में भारत को 39th स्थान मिला है परंतु अभी भी निम्नलिखित चुनौतियाँ है -

→ लॉजिस्टिक क्षेत्र में अभी भी सार्वजनिक क्षेत्र की ही मुख्य भूमिका बनी हुयी है। इसमें निजी क्षेत्र द्वारा कम निवेश किया जाता है।

→ भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी में देरी के कारण भी लॉजिस्टिक क्षेत्र में विकास बाधित हुआ है।

→ महाराष्ट्र, तमिलनाडु में तो लॉजिस्टिक क्षेत्र पर्याप्त विकसित है परंतु उत्तर-पूर्वी भारत, उत्तरी भारत में परिवहन,

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भंडारण, तकनीकी परिवर्तन की धीमी गति के कारण यह क्षेत्र विकसित नहीं हो पाया।
क्षेत्रीय असंतुलन भी प्रमुख समस्या है।

अत: इन क्षेत्र में सुधार हेतु सरकार द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं-

→ चूँकि भारत एक विशाल बाजार एवं विकसित अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है अत: हाल में सरकार ने लॉजिस्टिक क्षेत्र को अवसंरचना का दर्जा दिया है ताकि इसे औपचारिक ऋण स्रोतों से ऋण मिल सके।

→ निजी निवेश बढ़ाने हेतु परिवहन योजनाओं के लिए HAM model की वरीयता दी गयी है जिसमें सरकार के वित्तीय प्रोत्साहन पर निजी क्षेत्र द्वारा निर्माण किया जायेगा।

→ सागरमाला परियोजना, भारतमाला परियोजना, राष्ट्रीय नदी जलमार्ग विकास परियोजना, डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर आदि भी प्रोत्साहनकारी उपाय के रूप में अपनाए गए हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

लॉजिस्टिक क्षेत्र में सुधार हेतु जरूरी है परिवहन व संचार प्रणाली की ब्लास्ट मॉडल कनेक्टिविटी हो। इसके अतिरिक्त MSMEs व कृषि के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को वैश्विक व्यापार प्रणाली से संबद्ध करने के लिए भंडारण, बफर स्टॉक की अवसंरचना का विकास हो।

बैंकों के NPAs की हालत को सुधार कर निजी निवेश बढ़ाने का प्रयत्न करना। साथ ही वर्तमान में जारी योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन करना चाहिए। उत्तर-पूर्वी भारत में लॉजिस्टिक क्षेत्र में सुधार हेतु त्रिपक्षीय राजमार्ग, कालादान मल्टी मॉडल प्रोजेक्ट लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

3. श्रम सुधारों की आवश्यकता भारत में केवल गरिमापूर्ण रोज़गार सृजन के लिये ही नहीं है बल्कि कारोबारी सुगमता के लिये भी यह अनिवार्य है। इस दिशा में सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों की चर्चा करें। (200 शब्द) 12.5

The labour reforms in India are required not only for dignified employment opportunities but also for promoting ease of doing business. Discuss the steps taken by the government in this direction. (200 words) 12.5

श्रम सुधारों को किसी भी देश में आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य माना जाता है। श्रम सुधारों से तात्पर्य है- कानूनों की बहुलता समाप्त हो, स्पष्ट व सरल कानून हो, समतामूलक कानून हो।

श्रम सुधार कानून गरिमापूर्ण रोजगार हेतु उपयोगी है क्योंकि ये श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन या पारिश्रमिक निर्धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं साथ ही उचित कार्यदशाएँ, समान कार्य के लिए समान वेतन, सामाजिक सुरक्षा व सामाजिक कल्याण को भी सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं।

श्रम सुधार कारोबारी सुगमता को भी बढ़ाते हैं क्योंकि ये अनुपालन लागत को सीमित करते हैं, कानूनों की बहुलता को समाप्त करके अनुमोदन

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

में तीव्रता लाते हैं व त्वरित होने के कारण न्यायिक विवादों की संख्या को कम करते हैं। इज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स में भारत को top-50 में लाने की सरकार की प्रतिबद्धता हेतु श्रमसुधार जरूरी है।

भारत में श्रम सुधार की दिशा में निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं-

→ द्वितीय श्रम सुधार आयोग ने श्रम संहिता के निर्माण की बात कही है जिसमें समान पारिश्रमिक संहिता, न्यूनतम वेतन संहिता, सामाजिक सुरक्षा व श्रमिक कल्याण संहिता, व्यावसायिक कार्य दशाएँ व सुरक्षा संहिता शामिल हैं।

→ श्रम सुविधा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना।

→ स्थायी खाता संख्या व सार्वभौमिक खाता संख्या का निर्माण करना।

→ प्रतिष्ठान व मॉडल शॉप एक्ट लाना, मातृत्व लाभ बिल (सवेतन छुट्टी)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

आदि प्रयास भी सरकार द्वारा किये गये हैं। अन्य उपायों में प्रधानमंत्री रोजगार प्रोत्साहन योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के संरक्षण हेतु एक्ट 2008 प्रमुख हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

4. पशुपालन भारत में रोज़गार को बढ़ाने, लैंगिक समानता स्थापित करने एवं गरीबी को दूर करने में उपयोगी है। स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Animal husbandry in India is useful for employment generation, gender equality and poverty reduction. Elucidate. (200 words) 12.5

→ eminent.

भारत में पशुओं की संख्या विश्व में सर्वाधिक है एवं भारत विश्व का सबसे बड़ा उत्पादक है।

पशुपालन कृषि की एक संबद्ध गतिविधि है। भारतीय कृषि एक मौसमी प्रकृति की है। इसमें विचलन व मौसमी बेरोजगारी की स्थिति बनी रहती है अतः मौसमी बेरोजगारी की स्थिति में कृषक पशुपालन के माध्यम से रोजगार प्राप्त कर सकता है।

भारत में पशुपालन से संबंधित विभिन्न उत्पादों का मूल्य संवर्द्धन करके भी रोजगार प्राप्त किये जा सकते हैं। जैसे - डेयरी उद्योग का विकास, ऊन उद्योग का विकास आदि। मांस उद्योग का विकास भी एक प्रमुख विकल्प है। पशुपालन के उत्पादों को मूल्य संवर्धित करके भी रोजगार उपलब्ध कराये जा सकते हैं।

भारत में 87% महिलाएँ कृषि व संबद्ध गतिविधियों पर आश्रित हैं।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

पशुओं की देखभाल, संरक्षण, में महिलाओं की महती भूमिका होती है। साथ ही पशुओं के उत्पादों जैसे ऊनी वस्त्रों के निर्माण आदि में महिलाओं की भूमिका अच्छी है।

अतः इन उत्पादों का विक्रय करके महिलाओं की आय बढ़ायी जा सकती है एवं आय के स्रोत बढ़ाकर निर्णयन क्षमता व आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा सकता है।

भारत में लगभग 85% कृषकों के पास 1.06 हेक्टेयर से कम भूमि है अतः उनके लिए पशुपालन एक सहरोजगार की भूमिका निभाकर आय के स्रोत बढ़ा सकता है।

सीमांत व लघु कृषकों के लिए बकरीपालन, भेड़पालन के द्वारा आय बढ़ाकर निर्धनता को नियंत्रित किया जा सकता है। साथ ही ये पोषण व खाद्य सुरक्षा में संवर्धन करके भी स्वास्थ्य पर व्यय को कम कर सकती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

पशुपालन में सुधार हेतु राष्ट्रीय गोकुल मिशन जैसे नस्ल सुधार कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, समयबद्ध रूप से चारे की उपलब्धता लायी जा रही है।

पशुपालन कमजोर या सीमांत वर्गों के लिए बीमा व वित्तीय सुरक्षा के रूप में भी कार्य करता है (कृषिगत विफलता की स्थिति में)। इसलिए पशुपालन भारत में लैंगिक समानता, गरीबी निवारण में महती भूमिका निभा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. भारतीय कृषि क्षेत्र में युवा कुछ नवाचारी कदमों के द्वारा महत्त्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं लेकिन भारतीय युवा इस क्षेत्र में जाने को लेकर असहज नज़र आते हैं। इसके पीछे विद्यमान कारणों की चर्चा कीजिये। (200 शब्द) 12.5

The youth can bring significant changes in Indian agriculture through innovations, but they are hesitant to venture in this sector. Explain the reasons behind it. (200 words) 12.5

भारत अभी जनसांख्यिकी लाभांश की स्थिति में है। प्रतिवर्ष एक मिलियन लोग श्रम बल बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। अतः बढ़ती बेरोजगारी को नियंत्रित करने हेतु कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

युवा भारतीय कृषि में नवाचारी कदमों के द्वारा सुधार ला सकते हैं। वस्तुतः युवा प्रायः शिक्षित व जागरूक होते हैं। अतः वे नवीन वैज्ञानिक व तकनीकी विकासों के प्रति जागरूक रहते हैं। इनका वे कृषि में उपयोग करके उत्पादकता व गुणात्मकता बढ़ा सकते हैं जैसे GM crops का प्रयोग।

युवा सरकारी कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का बेहतर उपयोग करने की स्थिति में होते हैं

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)
कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय कृषि जलवायु परिवर्तन, विपणनगत जैसी समस्याओं का सामना कर रही है अत: युवा वर्ग कृषि में फसलों के विविधीकरण, कृषि-जलवायु प्रतिरूप को अपनाकर इसके प्रभाव को सीमित कर सकते है साथ ही खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के माध्यम से कृषि को उद्योगों व वैश्विक श्रृंखला से संबद्धता स्थापित कर सकते हैं।

परंतु निम्नलिखित कारणों से भारतीय युवा असहज प्रतीत होते हैं—

→ वे प्राय: शिक्षित होते है अत: वे कृषि को प्राथमिक विकल्प के रूप में नहीं देखते हैं।

→ साथ ही सामाजिक अभिवृत्ति भी युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित होने से रोकती है।

→ युवाओं में कृषि शिक्षा, कृषि उद्यमिता की प्राय: कमी पायी जाती है इससे वे कृषि के प्रति सहज नहीं हो पाते है।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ कृषिगत वित्त, मशीनरी, तकनीकी पहुँच, की कमी होने के साथ-साथ मॉनसून निर्भरता भी युवाओं को कृषि में शामिल होने से रोकती है।

अतः ARYA (युवाओं को कृषि की ओर आकर्षित करना) एवं भारतीय कृषि उच्च शिक्षा योजना के माध्यम से युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

6. कृषि विपणन के लिये राज्यों द्वारा गठित कृषि उत्पादन बाज़ार समिति (A.P.M.C.) के प्रमुख मुद्दों का उल्लेख करें। ई-नाम (eNAM) किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने में कहाँ तक सहायक हो सकती है स्पष्ट करें। (200 शब्द) 12.5

Highlight the major concerns associated with the Agricultural Produce Market Committee (APMC). To what extent eNAM can be helpful in providing the farmers a fair value for their produce? Explain. (200 words) 12.5

कृषि विपणन के माध्यम से कृषक अपनी उपज को बेचकर पर्याप्त प्रतिफल प्राप्त करता है। विपणन की स्थिति कृषि निवेश व उत्पादकता को प्रभावित करती है।

कृषि विपणन को नियमित करने हेतु APMC एक्ट बनाया गया था परंतु इसके निम्नलिखित मुद्दे हैं—

→ कार्टेलाइजेशन की प्रणाली के माध्यम से मध्यम वर्ग [illegible] गुटबंदी का निर्माण करके कृषकों से सस्ते उत्पाद खरीदते हैं एवं उपभोक्ताओं को [illegible] अधिक मूल्य में बेचते हैं।

→ APMC के प्रावधानों में राज्यगत अंतर है इससे एकीकृत राष्ट्रीय बाजार के निर्माण में बाधा आता है।

→ लाइसेंसिंग की प्रणाली भी प्रमुख मुद्दा है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ बहुस्तरीय शुल्क प्रणाली के द्वारा कृषकों का आर्थिक शोषण करके उनके प्रतिफल को सीमित किया जाता है।

→ कृषकों को अपने उत्पादों को बेचने के लिए स्थानीय मंडियों के अतिरिक्त अन्य मंडियों के चयन की अनुमति नहीं है

→ थोक व्यापारियों को निश्चित जगह से अधिक (प्रत्यक्ष) क्रय करने पर सीमा है।

इन समस्याओं के समाधान के रूप में e-NAM लाया गया है e-NAM APMC के प्रभाव को सीमित करके मध्यस्थों की भूमिका को कम करेगा। इससे उनको कार्टेलाइजेशन जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

APMC की बहुस्तरीय प्रणाली के विपरीत यह एकल शुल्क प्रणाली पर आधारित होगा। अतः कृषकों को अधिक प्रतिफल मिलेगा।

यह एकीकृत राष्ट्रीय बाजार स्थापित करके किसी भी राज्य में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अपनी उपज का विक्रय करके पर्याप्त मूल्य प्राप्त कर सकता है

यह कृषकों को सीधे उपभोक्ता व थोक व्यापारियों से संबद्धता स्थापित करता है। अतः प्रत्यक्ष मोलभाव की प्रणाली के माध्यम से उचित प्रतिफल मिलने की संभावना है।

समग्र रूप में कहा जाए तो e-NAM के अतिरिक्त APMC में सुधार, आवश्यक वस्तु एक्ट 1955 में सुधार करके भी किसानों को उचित मूल्य दिलाया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7. स्वतंत्रता के बाद से भारतीय कृषि में तकनीक का प्रयोग तो निरंतर बढ़ा है लेकिन सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान कम हुआ है। इसके कारणों को समझाएँ। फसल चक्रण और मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना कृषि उत्पादन में किस प्रकार सहायक हो सकती हैं? उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

Since independence, Indian agriculture has increasingly adopted technology, but its contribution in GDP has declined. Explain the reasons behind it. How can crop rotation and soil health card scheme be helpful in agricultural production? Discuss. (200 words) 12.5

स्वतंत्रता के उपरांत भारतीय कृषि में हरित क्रांति के समय से ही संश्लेषित रसायन उर्वरक, कीटनाशक, मशीनीकरण के माध्यम से कृषि में तकनीकी का प्रयोग बढ़ा है।

परंतु कृषि का वर्तमान में भारतीय GDP में केवल 15% योगदान है इसके निम्नलिखित कारण है—

→ कृषि में तकनीकी का प्रयोग केवल अमीर किसान ही कर पाये हैं जबकि लघु व सीमांत कृषकों के पास क्रय शक्ति की कमी के कारण वे इनका उपयोग नहीं कर पाये हैं।

→ तकनीकी प्रयोग मुख्यतः हरित क्रांति का लाभकारी क्षेत्र (उत्तर-पश्चिमी भारत) एवं दक्षिण भारत के सापेक्षतः विकसित राज्यों द्वारा किया गया है

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इससे क्षेत्रीय असंतुलन उत्पन्न हुआ है। क्योंकि अन्य राज्यों में उत्पादकता पर अधिक प्रभाव नही पड़ा है

→ साथ ही विनिर्माण व सेवा क्षेत्र का योगदान कृषि के सापेक्ष GDP में अधिक रहने से कृषि के योगदान में कमी आयी है

→ भारतीय कृषि की मॉनसून पर निर्भरता, भूमि का विखंडीकरण, GM फसलों पर विवाद, कृषकों की निम्न क्रयशक्ति; कृषि का पर्याप्त व्यावसायीकरण न होने से भी कृषि का योगदान घटा है

फसल चक्रण के माध्यम से कृषि में विविधीकरण रहने से मृदा के पोषक तत्वों में संतुलन बना रहेगा। साथ ही कृषि पर बीमारियों व परिवर्तनशील जलवायु के प्रभावों को भी सीमित किया जा सकेगा। कृषक बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन कर सकेगा। इससे कृषि का उत्पादन बढ़ेगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के माध्यम से कृषकों को मृदा में नाइट्रोजन, पोटाश व फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्वों की वास्तविक जानकारी मिलती रहेगी। इससे कृषक संतुलित रूप से उर्वरकों का प्रयोग करेगा जिससे एक तरफ तो मृदा की पोषकता बनी रहेगी तो दूसरी तरफ उत्पादन भी बढ़ेगा एवं आगतों की लागत भी घटेगी।

अन्यः उपायों में सिंचाई गतिविधि अपनाना, कृषि के मशीनीकरण पर उपनिवेश वृद्धि उन्नत योजना आदि के माध्यम से कृषि उत्पादन बढ़ा सकते है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

8. भारत में सेवा क्षेत्र के तेज़ी से संवृद्धि के कारणों और इसके संवृद्धि संवर्द्धन के महत्त्व को देखते हुए इस दिशा में हुए सरकारी प्रयासों और इस क्षेत्र के समक्ष उपस्थित प्रमुख चुनौतियों का उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

Given the rapid growth of services sector and its importance for Indian economy, highlight the major challenges of this sector and the steps taken by the government to address them. (200 words) 12.5

सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था के तृतीयक क्षेत्र में शामिल है जिसमें उच्चस्तरीय कौशल युक्त मानव संसाधन की गतिविधियाँ शामिल हैं।

सेवा क्षेत्र में संवृद्धि के अनेक कारण हैं जिनमें सबसे प्रमुख कारण है- भारत में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, सॉफ्टवेयर निर्माण की बेहतर स्थिति होना।

भारत में पर्याप्त कौशल युक्त मानव संसाधन, वैश्विक मांग, कार्यास्थिति व पर्यटन क्षेत्र के विकास, जनांकिकीय लाभांश के कारण इस क्षेत्र का पर्याप्त विकास हुआ है

सेवा क्षेत्र में संवृद्धि कई रूपों में महत्त्वपूर्ण है। सर्वप्रथम तो सेवा क्षेत्र विचलनपूर्ण कृषि व विनिर्माण क्षेत्र की स्थिति से उत्पन्न बेरोजगारी व आर्थिक वृद्धि में

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

गिरावट के लिए शॉक एबजॉर्बर के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त गैर-वित्तीय लाभांश के उचित दोहन, बढ़ती वैश्विक व घरेलू माँग के कारण भी इसकी उच्च संवृद्धि महत्वपूर्ण है।

सेवा क्षेत्र के विकास हेतु सरकार ने BPO प्रोत्साहन व संवर्द्धन योजना को चलाया जा रहा है। इस योजना का संशोधित रूप उत्तरपूर्वी भारत में उत्तर-पूर्वी भारत BPO संवर्द्धन योजना के रूप में चलाया जा रहा है।

अन्य प्रयासों में संशोधित प्रोत्साहन योजना, स्किल इंडिया, मेकइन इंडिया, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक नीति, प्रमुख है।

भारत के सेवा क्षेत्र के समक्ष प्रमुख चुनौतियों में सर्वप्रमुख चुनौती यह है कि यह क्षेत्र तेजी से बदलते वैश्विक तकनीकी परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को अनुकूलित नहीं कर पा रहा है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृत्रिम बुद्धिमता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स के मामले में भारत का सेवा क्षेत्र लगातार पिछड़ता जा रहा है

विश्व स्तर पर भारत को चीन, वियतनाम, ब्राजील से भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है

अन्य चुनौतियों में उचित कुशल मानव संसाधन की कमी, पर्यावरण मंजूरी व भूमि अधिग्रहण की समस्या भी शामिल है।।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

9. राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण के लिये राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (F.R.B.M.) अधिनियम लाया गया था। देश में राजकोषीय घाटे में तीव्र वृद्धि के कारणों को बताएँ और एफआरबीएम अधिनियम में समस्या और उनके समाधान का तर्कपूर्ण विवेचन करें। (200 शब्द) 12.5

The Fiscal Responsibility and Budget Management (FRBM) Act was enacted to control the fiscal deficit. Identify the reasons for the rising fiscal deficit and discuss the problems in FRBM Act and the measures to rectify the same. (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

राजकोषीय घाटे से तात्पर्य है सरकार के आय - व्यय में असंतुलन की स्थिति। अतः राजकोषीय संतुलन व राजकोषीय अनुशासन को स्थापित करने के लिए FRBM एक्ट लाया गया था।

भारत में राजकोषीय घाटा बढ़ने के कई कारण है:—

→ कृषिगत ऋण माफियों के माध्यम से सरकार की बैलेंस शीट प्रभावित होती है।

→ 2008 की वैश्विक मंदी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था तनाव से नहीं उभर पायी है।

→ ट्विन बैलेंस शीट (TBS) (बैंक व उद्योग) की समस्या से निपटने हेतु दिये जाने वाले बेल आउट पैकेज, पुनर्पूंजीकरण की नीतियाँ।

→ तेल आयात हेतु अंतर्राष्ट्रीय निर्भरता

→ कृषि की मॉनसून पर निर्भरता से उत्पादन

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कमी। साथ ही राजनीति प्रेरित लोकलुभावन सरकारी वायदे भी राजकोषीय घाटे को बढ़ाने में सहायता करते है।

FRBM एक्ट की कई समस्यायें है। इसमें लोचशीलता की कमी सबसे प्रमुख समस्या रही। यह सरकार को निश्चित अवधि तक घाटों को नियंत्रित करने हेतु निर्देशित करता था।

साथ ही यह एक्ट वैश्विक व घरेलू परिस्थितियों के बदलते स्वरूप जैसे वैश्विक मंदी के अनुरूप स्वयं को समायोजित नहीं कर पाया है।

इसमें बाध्यकारी अनुपालन की व्यवस्था; सामयिक मूल्यांकन प्रणाली का अभाव भी प्रमुख समस्या रही।

इस समस्या का समाधान करने हेतु उपाय –

→ सरकार को बैंकिंग तनाव को दूर करने का प्रयास करना चाहिए ताकि अतिरिक्त राजकोषीय भार न पड़े।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

→ उदय योजना के माध्यम से डिस्कॉम्स के घाटे को नियंत्रित करना ताकि राज्यों का राजकोषीय घाटा नियंत्रित रहे।

→ अनावश्यक हजिगत सब्सिडी न करके क्षमता संवर्द्धन पर बल देना चाहिए।

→ सरकार समयबद्ध रूप से राजकोषीय लक्ष्यों की प्राप्ति में कितनी सफल रही; इसकी लेखा परीक्षा RBI द्वारा की जानी चाहिए एवं मध्यावधि समीक्षा रिपोर्ट निकालनी चाहिए।

→ FRBM एक्ट के लक्ष्यों में संशोधन करके Escape clause जैसे प्रावधानों का समायोजन करना चाहिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

10. मुद्रा की परिवर्तनीयता अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु एक महत्त्वपूर्ण कारक है। पूंजी खाते के पूर्ण परिवर्तनीयता के संभावित लाभों को बताइये। क्या कारण है कि भारत ने पूंजी खाते को पूर्ण परिवर्तनीय नहीं बनाया है? (200 शब्द) 12.5

Currency convertibility is an important factor in international trade. Explain the potential benefits of full capital account convertibility. What are the reasons that India has not made its capital account fully convertible? (200 words) 12.5

मुद्रा की परिवर्तनीयता से तात्पर्य है मुद्रा का वैश्विक मुद्राओं में आसान हस्तांतरण। जैसे रुपये को अमेरिका में डॉलर द्वारा बदलना।

भारत में व्यापार खाते में पूर्ण रूप से मुद्रा की परिवर्तनीयता को अपनाया गया है परंतु पूंजी खाते में नहीं अपनाया गया है।

पूंजी खाते में पूर्ण परिवर्तनीयता अपनाने के निम्नलिखित लाभ होंगे -

→ भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ेगा।

→ भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में संवर्द्धन होगा।

→ भारतीय वित्तीय संस्थानों व उद्योगों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

को वैश्विक प्रणालियों से वित्तीय सहायता मिलेगा।
→ मुद्रा नीति में स्वतः समायोजन होगा

भारत ने निम्नलिखित कारणों से ~~र~~ पूंजी खाते में पूर्ण परिवर्तनीयता नहीं अपनायी थी -

→ भारत मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, वैश्विक परिस्थितियों से वित्त बाजार को सुरक्षित रखने, मुद्रा ~~बाजार~~ बाजार को नियंत्रित रखने हेतु भारत ने ऐसा किया था। साथ ही अवैध गतिविधि जैसे - मनी लॉड्रिंग को नियंत्रित करने के लिए भी भारत ने रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता नहीं अपनायी थी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

11. हाल ही में बैंकिंग घोटालों से चर्चा में आए लेटर ऑफ अंडरटेकिंग तथा स्विफ्ट (SWIFT) कोड मैसेजिंग सिस्टम को बताते हुए बैंकिंग प्रणाली के दोषों को दूर करने हेतु सरकारी प्रयासों का उल्लेख कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Explain the Letter of Undertaking (LoU) and SWIFT code messaging system which were in news recently due to scams in banking sector. Highlight the steps taken by the government to address the flaws in the banking system. (200 words) 12.5

हाल में पंजाब नेशनल बैंक जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में घोटाले की घटनायें देखी गयी हैं।

लेटर ऑफ अंडरटेकिंग का तात्पर्य है बैंक के समर्थन पर विदेशों में भारतीय या विदेशी बैंक हेतु से ऋण लेना। ~~सिक्योर~~ ~~कोई~~ ~~एक~~ ~~यू~~ LOU उन व्यापारियों व उद्यमियों हेतु सहायक है जिनको अपने उत्पाद के प्रतिफल मिलने में समय लग सकता है।

बैंक के वैधानिक समर्थन को प्रायः LOU के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है।

स्विफ्ट कोड मेसेजिंग प्रणाली की एक सूचना हस्तांतरण प्रणाली है। वस्तुतः अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सूचनाओं (वित्तीय) के हस्तांतरण हेतु शीर्ष वैश्विक बैंकों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

का यह एक नेटवर्क है और बैंकिंग सिस्टम को जोड़ने हेतु स्विफ्ट कोड का प्रयोग किया जाता है LOU आदि का हस्तांतरण करने में इसकी महती भूमिका होती है।

बैंकिंग क्षेत्र में रोको की दूर करने हेतु उपाय —

→ ई-कुबेर नामक भारतीय कोर-बैंकिंग सिस्टम को सभी बैंकों के लिए अनिवार्य करना।

→ LOU की समय-समय पर लेखा परीक्षा करना।

→ बैंकिंग गवर्नेंस को सुधारने हेतु मिशन इंद्रधनुष का परिचालन।

→ NPA की समस्या का समाधान हेतु पुनर्पूंजीकरण, इन्सॉल्वेंसी व बैंकरप्सी कोड, त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही करना।

→ भगोड़ों को नियंत्रित करने हेतु फ्यूजिटिव ऑफेंडर बिल प्रस्तावित है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ RBI द्वारा अर्द्धवार्षिक रूप से वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली की समीक्षा करना।

अतः उपयुक्त गवर्नेंस, सामयिक परीक्षण, सरकारी प्रयासों के उचित क्रियान्वयन के द्वारा बैंकिंग प्रणाली में सुधार किया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

12. वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में चर्चा में आए 'ट्रेड वार' का आशय स्पष्ट करें। अमेरिका और चीन के मध्य उत्पन्न ट्रेड वार के भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभावों की विवेचना कीजिये। (200 शब्द) 12.5

Explain the meaning of 'trade war' in the prevalent economic scenario. Discuss the impact of the trade war between the U.S and China on the Indian economy. 12.5
(200 words)

ट्रेड वार संरक्षणवाद के बढ़ते स्वरूप का ~~आरम्भ है~~ है परिणाम है।
ट्रेड वार से तात्पर्य है व्यापार के क्षेत्र में आयात - निर्यात को ~~सं~~ संतुलित व प्रतिसंतुलित करने के लिए नियम आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली का उल्लंघन करना। इसमें डंपिंग, एंटी डंपिंग ड्यूटी, नॉन टैरिफ बाधायें, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन (ie - WTO) की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने जैसी गतिविधियाँ शामिल है

वर्तमान में अमेरिका व चीन के मध्य ट्रेड वार की स्थिति बनी है। ये लक्षित रूप से आपसी आयात - निर्यात को नियंत्रित करने लगे है इसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ सकते हैं —

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

→ ट्रेड वार के माध्यम से भारतीय निर्यात में गिरावट आएगी। वर्तमान मे भारत - अमेरीका के द्विपक्षीय व्यापार (गैर - सैन्य) में भारत की अधिशेष की स्थिति है।

→ निर्यात में गिरावट आने से राजकोषीय घाटा, विदेशी मुद्रा भंडार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

→ ट्रेड वार वैश्वीकरण की प्रक्रिया को बाधित करके संरक्षणवादी नीतियों को बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन दे सकता है जैसे- हालिया अमेरीका ने भारत के स्टील पर ड्यूटी बढ़ायी थी। ऐसे अन्य कदम अमेरिका के सहयोगी देश विशेषकर पश्चिमी यूरोप द्वारा उठाये जा सकते है।

→ भारत - चीन की आर्थिक मामलों पर निकटता बढ़ सकती है क्योंकि दोनो ही वैश्वीकरण का समर्थन करते है इससे भारत के अमेरिका से आर्थिक व रणनीतिक सम्बन्धों पर नकारात्मक

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रभाव पड़ सकता है।

→ ट्रेड वार के कारण दबावग्रस्त कृषि व MSMEs पर और दबाव बढ़ेगा एवं बेरोजगारी बढ़ने की संभावना होगी।

→ साथ ही भारत द्वारा अमेरिका मे सेवा क्षेत्रक का निर्यात भी कम पड़ सकता है।

→ अमेरीका द्वारा विश्व व्यापार संगठन को लगातार अप्रत्यक्ष रूप से विरोध करने का रहा वार्ता क्षमतात्मक रूप से प्रभावित हो सकती है।

अतः उचित वार्तालाप व विश्वास बहाली के माध्यम से ट्रेड वार को नियंत्रित करना चाहिए।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

13. भारत जैसे विकासशील देशों के समक्ष वे कौन-सी चुनौतियाँ हैं, जो उनके विकसित अर्थव्यवस्था बनने की राह में बाधक बन सकती हैं? (200 शब्द) 12.5

What are the challenges faced by the developing countries like India which can obstruct their path towards attaining developed status? (200 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

भारत वर्तमान में विश्व की सबसे तीव्र गति से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

विस्तृत बाजार, व्यापक कृषि क्षेत्र, जनांकिकीय लाभांश, कुशल श्रमबल आदि ऐसे कारक हैं जो भारत को विकसित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं परंतु भारत के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियाँ हैं-

→ भारत यद्यपि जनांकिकीय लाभांश की स्थिति में है परंतु पर्याप्त कौशल युक्त मानव संसाधन व उद्योग - शैक्षणिक संस्थानों में संबंधों की कमी के कारण उचित लाभ नहीं उठाया जा रहा है

→ भारत में कृषि व विनिर्माण क्षेत्र तनावग्रस्त है एवं इनमें पर्याप्त रोजगार का सृजन नहीं हो पाने

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

से बेरोजगारी बढ़ रही है।
जैसे - भारतीय कृषि की मॉनसून पर निर्भरता आदि।

→ भारत का व्यापार घाटा भी प्रमुख बाधा है अतः निर्यात को बढ़ाने के पर्याप्त प्रयासों के बावजूद निर्यात नहीं बढ़ पा रहा है

→ ऊर्जा हेतु वैश्विक निर्भरता के कारण आर्थिक गतिविधियों का पर्याप्त विस्तार नहीं हो पा रहा है अतः ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों की ओर विस्थापित होने के साथ-साथ एनर्जी बास्केट का विविधीकरण करना होगा।

→ भारत में श्रम बल व अर्थव्यवस्था का व्यापक अनौपचारीकरण है जिससे सामाजिक सुरक्षा, उचित उत्पादकता का बेहतर स्तर, वित्तीय समावेशन बाधित होते हैं

→ भारत में निवेश व बचत का स्तर लगातार रूप से गिर रहा है। अतः इनको बढ़ाने हेतु Twin Balance शीट

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

समस्या (बैंक व उद्योगों की नकारात्मक स्थिति) का समाधान करना जरूरी है

→ भारत तकनीक का विशुद्ध आयातक बना हुआ है अतः अनुसंधान व विकास को बढ़ाकर तकनीकी निर्यातक बनकर विकसित अर्थव्यवस्था बना जा सकता है

• वर्तमान ट्रेडवार, बढ़ती संरक्षणवादी गतिविधि, महिलाओं की श्रमबल में निम्न भागीदारी, शिक्षण संस्था व उद्योगों में सहसंबंध न होने आदि ऐसी बाधायें हैं जिनके समाधान के द्वारा विकसित अर्थव्यवस्था बना जा सकता है

इस दिशा में स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, व्यापार नीति (2015-20), अर्थव्यवस्था का डिजिटलीकरण आदि उपायों के द्वारा अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

14. 'डिजिटल अर्थव्यवस्था' से क्या आशय है? भारत के समक्ष डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने के लिये कौन-सी चुनौतियाँ हैं? (200 शब्द) 12.5

What is meant by 'digital economy'? What are the challenges before India to emerge as a digital economy? (200 words) 12.5

डिजिटल अर्थव्यवस्था से तात्पर्य है इंटरनेट प्रणाली पर आधारित वित्तीय व्यवस्था। इसमें वित्तीय लेन-देन से लेकर निगरानी, मूल्यांकन, परीक्षण, शिकायत निवारण जैसी समस्त गतिविधियाँ का निष्पादन शामिल होता है।

भारत के डिजिटल अर्थव्यवस्था के रूप उभरने हेतु निम्नलिखित चुनौतियाँ हैं

→ डाटा का औपनिवेशीकरण एक प्रमुख समस्या है वस्तुतः डिजिटल अर्थव्यवस्था में डेटा का अत्यधिक मात्रा में संग्रहण होता है परंतु भारत में इंटरनेट संचालकों के सर्वर उपलब्ध नहीं है अतः इनके डेटा का दुरुपयोग हो सकता है।

→ ग्लोबल साइबर सुरक्षा सूचकांक में भारत को 23^{th} स्थान मिला है अतः यह

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीय स्थिति को साइबर हमलों के प्रति संवेदनशील बनाती है

→ डिजिटल डिवाइड एक प्रमुख समस्या है भारत में शहरी - ग्रामीण, अमीर - गरीब, महिला - पुरुष तक इंटरनेट की सुगम पहुँच नहीं है

→ भारत में डिजिटल साक्षरता की भी शोचनीय स्थिति है जो नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति संवेदनशील बनाती है

अन्य चुनौतियों में सुस्थापित विधिक तंत्र की अनुपस्थिति, ई-कॉमर्स कंपनियों पर नियंत्रण में कमी है

अतः इन समस्याओं के समाधान हेतु भारतनेट, वित्तीय साक्षरता अभियान जैसे उपायों के माध्यम के साथ नेट-न्यूट्रलिटी

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

स्थापित करके भारत को डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने का प्रयास किया जा रहा है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

15. बाँस की कृषि किस प्रकार पूर्वोत्तर राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिये युगांतरकारी सिद्ध हुई है? भारत सरकार द्वारा बाँस की कृषि के विकास हेतु हाल ही में उठाए गए कुछ कदमों का उल्लेख करें। (200 शब्द) 12.5

How has the bamboo farming revolutionised the economy of the North Eastern States? Highlight some of the recent steps taken by the Government of India for the development of bamboo farming. (200 words) 12.5

बाँस की कृषि उष्णकटिबंधीय जलवायु वाले क्षेत्रों में की जाती है भारत के उत्तरपूर्वी भारत इसके लिए पर्याप्त अनुकूल दशायें उपलब्ध कराता है

बाँस की कृषि के माध्यम से उत्तरी पूर्वी भारत में कागज लुगदी का स्थानीय रूप में निर्माण किया जाने लगा है साथ ही खेती जैसे स्थानीय व्यापारों के माध्यम से रोजगार के अतिरिक्त अवसर सृजित करने का प्रयास किया गया है।

पूर्वोत्तर राज्यों में बाँस की कृषि ने कृषकों को वैकल्पिक आय का स्रोत उपलब्ध कराकर स्थानांतरणशील कृषि को नियंत्रित करने का प्रयास किया है।

हाल में सरकार ने बाँस की

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

कृषि के लिए बाँस पर राष्ट्रीय मिशन का शुभारंभ किया है। इस मिशन के उपभाग के रूप में उत्तरी-पूर्वी भारत के लिए उपमिशन का संचालन किया जा रहा है।

इस मिशन में बाँस के कृषि क्षेत्र को बढ़ाने, बाँस की कृषि का वाणिज्यीकरण करने, अनुसंधान व विकास को बढ़ावा देने, बेहतर रूप से बाजार तक पहुँच को शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय कृषि उन्नत योजना में भी बाँस की कृषि बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

1927 के वनाधिनियम से बाँस को वन क्षेत्रों में वृक्ष की श्रेणी से हटाया गया है। यहाँ यह ध्यातव्य है कि बाँस गैर वन क्षेत्रों में अभी भी वृक्ष की श्रेणी में शामिल है। इससे बाँस का वाणिज्यिक उपयोग संभव हो सकेगा।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बेहतर कनेक्टिविटी, पर्यटन के विकास, बागवानी कृषि के विकास के द्वारा भी उत्तरी पूर्वी भारत में विकासात्मक गतिविधियों को बढ़ाया जा सकता है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

16. मिश्रित कृषि से आप क्या समझते हैं? क्या मिश्रित कृषि को बढ़ावा देकर भारत में किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है? (200 शब्द) 12.5
What do you understand by mixed farming? Can the income of farmers in India be increased by promoting mixed farming? (200 words) 12.5

मिश्रित कृषि से तात्पर्य है कृषि के साथ पशुपालन की गतिविधियों को बढ़ाना। इसमें पशुपालन को कृषि के सहयोगी व्यवसाय के रूप में स्थापित किया जाता है।

कृषिगत उत्पादों को पशुओं के आहार व पशु उत्पादों को कृषि में उपयोग किया जा सकता है।

हाल ही में अशोक दलवई व कृषि मंत्रालय की स्ट्रक्चरल रिफॉर्म इन एग्रीकल्चर नामक रिपोर्ट में मिश्रित कृषि का समर्थन किया गया है।

मिश्रित कृषि निम्नलिखित रूप से किसानों की आय बढ़ाने में सहायता दे सकती है –

→ यह किसानों की रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में सहायक होगी। वस्तुतः पशुओं के गोबर का

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

जैविक खाद के रूप में प्रयोग करने से कृषकों की आगत की लागत घटेगी।

→ खेती के एक भाग में चारागाह के विकास से पशुओं को पर्याप्त रूप से चारा मिलता रहेगा। इससे पशुओं को गुणवत्तापूर्ण चारे की समय पर उपलब्धता रहेगा।

→ पशु उत्पादों को मूल्यसंवर्धित करके किसानों द्वारा आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित किये जा सकते हैं।

→ मॉनसून की विफलता की स्थिति में पशुपालन कृषकों लिए वित्तीय बीमा की भूमिका निभाते है।

→ जहाँ कृषकों को खेती से आय होगा वहीं दूध जैसे उत्पादों से पोषण सुरक्षा मिलेगा। अतः कृषक स्वास्थ्य बेहतर रहने से स्वास्थ्य पर व्यय कम होगा।

→ मधुमक्खी, भेड़पालन (ऊन) के द्वारा (शहद)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भी किसानों की आय बढ़ सकती है

अतः बेहतर विपणन, जैविक कृषि, पर्याप्त सिंचाई विस्तार व बीमा कवरेज, कृषि में प्रौद्योगिकी के प्रयोग के द्वारा भी कृषकों की आय बढ़ायी जा सकती है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

17. 'बैंकों के समेकन' से क्या तात्पर्य है? भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में बैंकों के समेकन का क्या प्रभाव पड़ सकता है? (200 शब्द) 12.5

What is meant by 'consolidation of banks'? What are the probable impacts of the consolidation of banks on the Indian banking system? (200 words) 12.5

बैंकों के समेकन की सर्वप्रथम अनुशंसा नरसिंहमन समिति ने की थी।

उनके अनुसार वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बहुलता को समाप्त करके विलयन करना चाहिए। बैंकों को कार्यात्मक व संख्यात्मक समेकन करना चाहिए।

उन्होंने कहा था कि 3-4 बैंक वैश्विक स्तर के हो, 5-6 बैंक राष्ट्रीय स्तर पर हो एवं तृतीय श्रेणी क्षेत्रीय स्तर की हों।

भारतीय बैंकिंग व्यवस्था में समेकन का निम्नलिखित प्रभाव पड़ सकता है—

→ समेकन से भारतीय बैंकिंग वैश्विक बैंकिंग मानकों के अनुरूप स्थापित होगा।

→ समेकन से सतत् पूँजी निर्माण व साख क्षमता का भौगोलिक व गुणात्मक (वित्तीय) विस्तार होगा।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इससे बैंकों पर पड़ने वाले विश्व व घरेलू जोखिमों को कम करने में सहायता मिलेगी।

→ वर्तमान में भारतीय बैंकिंग प्रणाली NPAs, CRAR (पूंजी पर्याप्तता अनुपात) के कारण दबाव की स्थिति में है अत: समेकन से बैंकों की बैलेंस शीट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

→ शीर्ष स्तर पर 3-4 बैंकों के रहने के कारण निगरानी व मूल्यांकन प्रणाली में तत्परता रहेगी जिससे बैंकिंग फ्रॉड जैसी समस्या नहीं आएगी।

→ वर्तमान में भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश को बढ़ाने में भी सहायक होगी। साथ ही प्राथमिक क्षेत्रक ऋण मानकों का भी उचित क्रियान्वयन हो रहा है या नहीं; पर भी निगरानी रखी जा सकेगी।

→ अत: कर्मचारियों के समयबद्ध प्रशिक्षण, तकनीकों का बेहतर उपयोग

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

करने में भी सहायता मिलेगी।
परंतु कर्मचारियों की छंटनी, शाखाओं के बंद होने की समस्या जैसे मुद्दों का समाधान करके बैंकों का समेकन करना चाहिए।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

19. भारत ने वर्ष 1991 में अधिकांश क्षेत्रों में उदारीकरण को अपना लिया था। क्या अब कृषि क्षेत्र में भी भारत को उदारीकरण को अपना लेना चाहिये? स्पष्टीकरण कीजिये। (200 शब्द) 12.5

In 1991, India adopted liberalization in several areas. Should India also adopt it at a wider level in the agricultural sector? Elucidate. (200 words) 12.5

1991 में उदारीकरण की नीति के अंतर्गत डि-लाइसेंसिंग, डि-रेगुलेशन की नीति अपनायी गयी थी। इसमें निवेश बढ़ाने, उद्योगों में निजी भूमिका बढ़ाने का प्रयास किया गया था। रेलवे, परमाणु, शस्त्र जैसे क्षेत्रों के अतिरिक्त अधिकांश क्षेत्रों में उदारीकरण को अपनाया जा चुका है।

भारत में उदारीकरण को अपनाने से अनेक लाभ हैं। यह कृषि को निर्वहनीय व्यवस्था से संगठनात्मक व वाणिज्यिक स्वरूप प्रदान करेगी।

यह कृषि में निजी निवेश के रूप में अनुबंध कृषि को बढ़ावा देगी जिससे कृषि में नयी तकनीकी व प्रबंधन क्षमता का आगमन होगा इसके साथ ही कृषकों की आय बढ़ेगी व बाजार पर निर्भरता कम होगी।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कृषि के उदारीकरण से कृषि सम्बद्ध गतिविधि जैसे खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, का विकास होगा। कृषि विश्व व्यापार प्रणाली से सम्बद्ध होगी। कृषि में सिंचाई सुविधा, कृषि शिक्षा का विस्तार होगा

परंतु उदारीकरण से कृषि में अनेक हानियाँ भी संभाव्य हैं जैसे - कृषि का बाजारीकरण होने से अधिकतम उत्पादन पर बल दिया जायगा। जिससे भूरा उर्वरता, भौमजल का अतिशयदोहन होने से कृषि पारितंत्र को क्षति होगी।

भारतीय कृषक कृषि से भावनात्मक रूप से संबद्ध हैं। वे कृषि को केवल आर्थिक क्रिया के रूप में नही देखते हैं। साथ इसमें कृषकों के साथ धोखाधड़ी (जैसे अनुबंधों के हस्ताक्षर के समय) बढ़ने की संभावना होगी।

कृषि में उदारीकरण का लाभ केवल बड़े किसानों को ही मिल सकता है क्योंकि कृषि शिक्षा की कमी; सीमित

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

आय के कारण लघु व सीमांत किसानों को पर्याप्त लाभ नहीं मिलेगा।

अतः आरंभ में आंशिक उदारीकरण को वरीयता देनी चाहिए। जैसे अनुबंध कृषि को नियमित स्वरूप में लागू करना। इसके साथ ही कृषकों की क्षमता में संवर्द्धन करना चाहिए।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष: 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

समग्र मूल्यांकन
(Overall Evaluation)

Copyright – Drishti The Vision Foundation